

4.2.20

पशुवली पेसा। भावाज लगई गई। कोइ
उपठनी' ही कक-कक हा भावाज
लगते कोइ उपठनी'।

अतः दादा अदम हाजरी अदम पैली
संस्वाजिज किया जाता है।
पशुवली कोलन मुमाट हाजत दाविक
कहात ही।

(चिमनदास शीमा)

R. A. S.